# रानी धर्म कुँवर राजकीय महाविद्यालय, दल्लावाला, खानपुर (हरिद्वार)

## विश्व तम्बाकू निषेध दिवस–2022 के अवसर पर लघु संगोष्ठी का आयोजन

दिनाँकः 26.05.2022

## आख्या

दिनाँक 25.05.2022 को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर **"आओ गांव चले–उत्तराखण्ड को मुक्त करें"** एक लघु संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय प्रागण में किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य तम्बाकू सेवन के व्यापक प्रचार–प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभाव की और छात्राओं को जागरूक करना है।

डॉ0 धनंजय शर्मा ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज युवाओं के बीच धूमपान और नशीली पदार्थों का सेवन तीव्र गति से बढ़ रहा है। आज युवा वर्ग फिल्मों, इंटरनेट आदि में हो रहे विज्ञापन जो नशीले पदार्थों से सम्बन्धित होते है उससे अधिक आकर्षित होते रहे हैं। अध्ययनों से ज्ञात हुआ है कि जितने अधिक युवा तम्बाकू या नशीले पदार्थों के विज्ञापन के सम्पर्क में आते है उतने ही अधिक धूमपान करने की संभावना होती है। अतः सरकार को हर स्तर पर विज्ञापन पर रोक लगाने के हेतु सार्थक कदम उठाया जाना चाहिए।

डॉ0 प्रविता का कहना था कि तम्बाकू उत्पाद के अवैध व्यापार को समाप्त करने सहित तम्बाकू की खपत को कम करने के लिए प्रभावी नीतियाँ अपनानी पड़ेगी। धूमपान करने की आदत पड़ जाने के बाद इसे छोड़ना या कम करना लोगों के लिए कठिन होता है। जो लोग धूमपान करने वालो के सम्पर्क में आने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती है। जिससे वह अक्सर अस्थमा, ब्रोकाइटिस आदि बीमारियों से ग्रसित हो जाते है।

डॉ0 संतोष कुमार सिंह ने कहा कि आज पूरे विश्व भर में प्रतिवर्ष 30 लाख लोग तम्बाकू और नशीली, उत्पाद के सेवन से जाने गवां देते हैं जिसका भारत में इसकी संख्या प्रति वर्ष 5 लाख है। यह एक चिंता का विषय है। निकोटीन एक ऐसा पदार्थ है जिसकी आदत लगने की प्रबल संभावना होती है। इसके वास्तविक खतरों के प्रति लोगों को सचेत करने से तम्बाकू की आदत लगने से रोकने में मदद मिलेगी। तम्बाकू के पैकटों पर चेतावनी की आवश्यकता होना एक आसान, सस्ती और प्रभावी रणनीति है जो बड़े पैमाने पर तम्बाकू के उपयोग में कमी ला सकती है तथा जिंदगी बचा सकती है।

प्रो0 कुलदीप सिंह नेगी, प्राचार्य ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि तम्बाकू नियंत्रण को मिशन के रूप में अपनाना चाहिए क्योंकि व्यक्ति एक संसाधन है। एक व्यक्ति जो धुमपान या नशीले पदार्थों का सेवन करता है और वह मृत हो जाता है तो न केवल उससे परिवार की हानि होती है बल्कि उससे समाज और राष्ट्र भी प्रभावित होता है। अतः उन्होंने छात्राओं को आहवान करते हुए कहा कि आप तम्बाकू और मादक पदार्थों के प्रति स्वंय भी जागरूक होने के साथ–साथ परिवार और समाज को भी जागरूक करें।

(डॉ0 संतोष कुमार सिंह)
संयोजक नशामुक्ति

26.5.2022
(प्रो0 कुलदीप सिंह नेगी)
प्राचार्य
रानी धर्म कुँवर राजकीय महाविद्यालय
दल्लावाला, खानपुर (हरिद्वार)